एक नजर

डेली वर्क रजिस्टर के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे सफाईकर्मी

अलीगढ़ : ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने शासनादेश के विपरीत डेली वर्क रजिस्टर की प्रक्रिया थोपने का आरोप लगाया है। इसके खिलाफ सड़क पर उतरने की चेतावनी दी गई है। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिला मंत्री राजेश पथिक व जिलाध्यक्ष मुकेश मल्होत्रा ने कहा कि पिछले सात वर्षों की भांति इस माह भी प्रधान द्वारा हस्ताक्षर करवाकर एडीओ पंचायत को वेतन प्रमाण पत्र जमा कराया जा रहा है। अनावश्यक रूप से मांगे जा रहे डेली वर्क रजिस्टर का विरोध किया जा रहा है। मुकेश ने कहा कि तमाम सफाई कर्मचारी अधिकारियों के यहां ड्यूटी बजा रहे हैं। डीएम को इसकी जानकारी हो गई है। उन्होंने अटैच कर्मचारियों को हटाने का मन बनाया है, जिसकी जहां तैनाती है, वहां उसे काम करना होगा।

आंदोलन की चेतावनी

अलीगढ़ : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के बैनर तले चलाए जा रहे प्रदेश व्यापी आंदोलन के तहत राजकीय आइटीआइ परिसर में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष आरके मिश्रा ने की। जिला मंत्री राज कुमार शम्मी ने संचालन किया। आरके मिश्रा ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष सुरेश चंद्र मिश्रा व महामंत्री जेएन तिवारी ने प्रदेश व्यापी आंदोलन का एलान किया था। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने मांगों के समर्थन में आर पार की लड़ाई का एलान किया है। 21 अप्रैल को विधान सभा का घेराव किया जाएगा। जितेंद्र पाठक, यतेंद्र शर्मा, संजय चतुर्वेदी, विनोद कुमार शर्मा, वीरपाल सिंह, शमसुद्दीन, राजकुमार, महावीर सिंह, अशोक शर्मा, रफीक अहमद, निर्मला शर्मा, अरुण शर्मा, सुखवीर सिंह आदि थे।

मिंटो सर्किल स्कूल में आयोजित स्वागत समारोह में बोले डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन

छात्रों में हो आसमां छूने की जिज्ञासा : चांसलर

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : एएमयू चांसलर डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन ने कहा कि शिक्षा के बिना तरक्की का रास्ता नहीं तय कर सकते। भूमंडलीकरण के युग में हमें सूचना प्रौद्योगिकी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। छात्रों में आसमां छूने की जिज्ञासा होनी चाहिए।

एएमयू के दीक्षांत समारोह भाग लेने पहली बार आए सैयदना ने शनिवार को मिंटो सर्किल स्कूल में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में भाग लिया। अपने दादा के नाम पर स्थापित इस स्कूल के जीर्णोद्धार का भी उन्होंने उद्घाटन किया। सैयदना ने छात्रों को नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि हमें अपना रवैया अच्छा बनाना होगा। इसके बिना जीवन अधूरा है।

कुलपति जमीर उद्दीन शाह ने कहा कि एसटीएस स्कूल विश्वविद्यालय के फीडर के रूप में महत्व रखता है। स्कूल का भवन ऐतिहासिक है। इसके जीर्णोद्धार के लिए विशेष कदम उठाने की जरूरत है। स्कूल में विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयास किए जाएंगे। स्कूलों के डायरेक्टर प्रो. मुहम्मद गुलरेज ने सैयदना का स्वागत कर परिवार के बारे में बताया। प्रिंसिपल फैसल नफीस ने स्थापना व इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1966 में इस स्कूल का नाम चांसलर के दादा सैयदना ताहिर सैफउद्दीन के नाम पर रखा गया था। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। कव्वाली तथा सर सैयद पर लघु नाटिका ने मनमोह लिया। संचालन लुबना रुबाब किया। मैनेजर प्रो. मुहम्मद रिजवान खान ने आभार जताया।

एएमयू के मिंटो सर्किल में आयोजित समारोह में प्रिंसिपल फैसल नफीस, प्रो. मुहम्मद गुलरेज, कुलपति जमीर उद्दीन शाह, चांसलर डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन, सहकुलपति एस अहमद अली व अन्य। जागरण

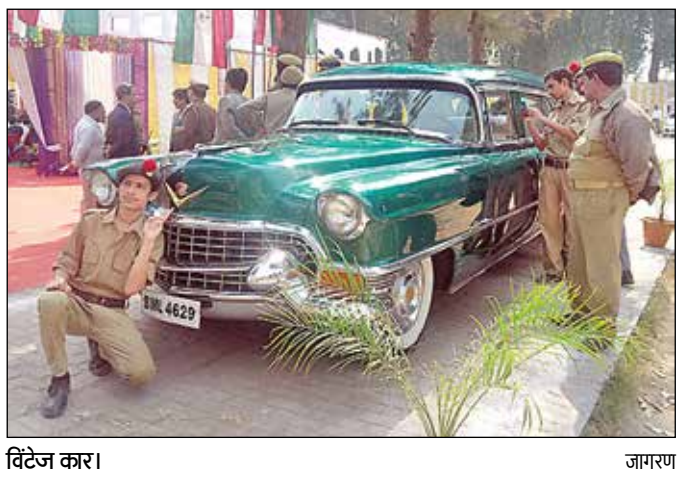

विंटेज कार। जागरण

सर सैयद की मजार पर चादर चढ़ाते सैयदना। जागरण

सर सैयद की मजार पर चढ़ाई चादर

सैयदना ने जामा मस्जिद स्थित सर सैयद अहमद खां की मजार पर चादर चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। मौलाना आजाद लाइब्रेरी में रखीं दुर्लभ पांडुलिपियों को भी देखा। लाइब्रेरियन डॉ. अमजद अली ने उन्हें पवित्र कुरान से संबंधित पांडुलिपि भी दिखाई। बाद में केनेडी हॉल स्थित मूसा डकरी संग्रहालय में प्रो. अली अथर से जानकारी ली।

चांसलर के साथ 600 लोग

बोहरा समाज के धर्मगुरु सैयदना के साथ 600 से अधिक लोगों का जत्था आया है। इनमें महिला-पुरुष शामिल हैं। सैयदना के परिवार की महिलाएं भी समारोह में शामिल होने आई हैं। इस ग्रुप के लोग खुद अपने काम करते हैं। मसलन, महिलाओं को चाय, पानी उनके साथ आईं महिलाएं ही देती हैं। सैयदना के खाने-पीने का ख्याल उनके ही लोग रखते हैं।

आकर्षण का केंद्र सैयदना की कार

सैयदना की विंटेज कार आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। छात्र इसके साथ फोटो खिंचा रहे है। कार के चालक ने रोचक जानकारी दी। बताया, 1955 में सऊदी अरब में सैयदना, पंडित जवाहर लाल नेहरू व सरदार बल्लभ भाई पटेल को तीन गाड़ियां गिफ्ट की गई थीं। सैयदना की कार देश में इकलौती है, जो पूरी तरह से ऑटोमेटिक है। स्टेयरिंग भी लेफ्ट साइड में है। सैयदना इसी कार से चलते हैं।

बिजनेस लीडर पैदा करेगा मैनेजमेंट कॉम्प्लेक्स

- अमेरिकी उद्योगपति फ्रेंक इस्लाम ने एएमयू में रखी नींव
- उद्योगपति ने निर्माण के लिए दी दो मिलियन अमेरिकी डॉलर की मदद

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : एएमयू में मैनेजमेंट कॉम्प्लेक्स के भवन की शुक्रवार को अमेरिका के प्रख्यात उद्योगपति डॉ. फ्रेंक एफ इस्लाम व उनकी पत्नी डेबी ड्राइस मैन ने रखी। सर सैयद हाउस के निकट बन रहे फ्रेंक एंड डेबी इस्लाम मैनेजमेंट कॉम्प्लेक्स के लिए फ्रेंक इस्लाम ने दो मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता राशि दी है। एएमयू के छात्र रहे फ्रेंक इस्लाम मूल रूप से आजमगढ़ के निवासी हैं।

अमेरिका में एफआइ इंवेस्टमेंट ग्रुप के चेयरमैन एंड सीईओ फ्रेंक इस्लाम ने कहा कि इस कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए उन्होंने व उनकी पत्नी ने जो राशि उपलब्ध कराई है, वह उनका अपनी मातृ संस्था का कर्ज चुकाने का एक छोटा सा प्रयास है। सर सैयद ने विश्वविद्यालय को एक बड़े वृक्ष के रूप में विकसित होने का जो सपना देखा था, उनके उस सपने को यह कॉम्प्लेक्स साकार करेगा। यह मैनेजमेंट स्कूल भविष्य के बड़े बिजनेस लीडर पैदा करेगा। फ्रेंक इस्लाम ने कहा कि आज वे जो कुछ हैं, एएमयू की बदौलत हैं। यहां बनने वाला मैनेजमेंट स्कूल नया इतिहास रचेगा और यहां पढ़ने वाले छात्र नई चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे।

कुलपति जमीर उद्दीन शाह ने कहा कि उन्होंने नए मैनेजमेंट स्कूल का जो सपना देखा था, साकार हो गया। नए शिक्षा सत्र में मैनेजमेंट की पढ़ाई इसी भवन में शुरू होगी। इस संस्था के पूर्व छात्रों को फ्रेंक इस्लाम से प्रेरणा लेकर मदद के लिए आगे आना चाहिए। अमेरिका के बोस्टन से आए पूर्व छात्र डॉ. अली रिजवी ने फ्रेंक इस्लाम बारे में बताया। प्रो. परवेज तालिब ने कहा कि यह मैनेजमेंट कॉम्प्लेक्स मौजूदा विभाग से तीन गुना बड़ा होगा। मैनेजमेंट संकाय के डीन प्रो. वलीद अंसारी ने आभार जताया। संचालन उमामा तारिक रशीद ने किया। इस मौके पर सहकुलपति एस अहमद अली, डॉ. नदीम तरीन, अमीर अहमद, रजिस्ट्रार डॉ. असफर अली खान, वित्त अधिकारी एसएम जावेद अख्तर और डॉ. अब्दुल्ला भी मौजूद थे।

छात्रों से सवाल-जवाब : कार्यक्रम में अमीर अहमद की अध्यक्षता में विज-2040 पर छात्रों के साथ चर्चा सत्र हुआ, जिसमें फ्रेंक इस्लाम व कुलपति ने छात्रों के सवालों के जवाब दिए। उन्हें प्रेरित किया कि मेहनत के बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता। स्वागत भाषण सह कुलपति ने दिया। संचालन एमबीए की छात्रा उमामा तारिक व जेहरा अल्वी ने किया।

एएमयू में मैनेजमेंट कॉम्प्लेक्स की नींव रखते अमेरिकी उद्योगपति फ्रेंक इस्लाम व उनकी पत्नी डेबी ड्राइस मैन। जागरण

फ्रेंक इस्लाम की पत्नी को नहीं भाया होटल

अलीगढ़ : एएमयू के दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि फ्रेंक इस्लाम की पत्नी डेबी को यहां के होटल पसंद नहीं आए। वे रात में ही नोएडा के रवाना हो गईं। फ्रेंक इस्लाम के ठहरने की व्यवस्था एक होटल में की गई थी, उनकी पत्नी को वहां ठहरना रास नहीं आया। चिंतित एएमयू प्रशासन ने गेस्ट हाउस नंबर 3 के कमरा नंबर चार को उनके लिए तैयार किया, लेकिन ये कमरा भी पसंद नहीं आया। एएमयू पीआर सलाहकार डॉ. राहत अबरार ने भी इसकी पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि फ्रेंक इस्लाम का अमेरिका में घर व्हाइट हाउस से कम नहीं हैं, जिसे अमेरिका का आलीशान महल कहा जाता है।

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष आईं, स्वागत

अलीगढ़ : महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा ओझा एएमयू के दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए शुक्रवार रात अलीगढ़ पहुंच गईं। उत्तर प्रदेश महिला सभा की अध्यक्ष प्रतिमा सिंह ने उनका जोरदार स्वागत किया।

वाणिज्य कर विभाग के स्थापना दिवस पर आयोजित गोष्ठी में अधिकारी व कर्मचारी। जागरण

स्वच्छता परीक्षा में एसी ने मारी बाजी

वाणिज्य कर विभाग ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : काश ऐसा सभी किए होते। स्वच्छता जहां है, बेहतर सोच वहीं है। यह सब जानते हुए भी वाणिज्य के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने जोर नहीं लगाया। तभी तो स्वच्छता की परीक्षा में एडिश्नल कमिश्नर अपील एके राय ने बाजी मार ली। बेहतर व स्वच्छ कार्यालय का खिताब एके राय को दिया गया।

वाणिज्य कर विभाग ने स्थापना दिवस पर कर्मचारियों व अधिकारियों को जागरूक करने का फंडा ढूंढा था। स्थापना दिवस पर ऐसे कार्यालयों को पुरस्कृत करने तक के निर्देश दिए थे। 26 फरवरी को वाणिज्य कर का स्थापना दिवस मनाया जाता है। इसी अवसर पर शुक्रवार सुबह 10 बजे वाणिज्य कर के तालानगरी में निर्माणाधीन भवन में मुख्य विकास अधिकारी धीरेंद्र सिंह सचान की अगुवाई में पौधरोपण हुआ। यहीं पर अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ पत्र भी पढ़ाया गया।

इसके बाद दोपहर तीन बजे विजडम पब्लिक स्कूल सीनियर विंग, रामघाट रोड पर विचार गोष्ठी हुई। 'बिना बिल की खरीदारी, बिल्कुल नहीं है समझदारी ' विषय पर आयोजित इस गोष्ठी में अधिवक्ताओं, अधिकारियों, कारोबारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गोष्ठी का उद्घाटन वाणिज्य कर विभाग के एडिश्नल कमिश्नर ग्रेड-2 एके शुक्ला ने किया।

उत्कृष्ट विचार के लिए अधिकारियों में डिप्टी कमिश्नर शिल्पा अग्रवाल, व्यापारियों में अलीगढ़ लॉक एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा व अधिवक्ताओं में मुकेश गुप्ता को सम्मानित किया गया। बड़े करदाता में देव मोटर्स तथा व्हील को सम्मानित किया गया। गोष्ठी का संचालन डिप्टी कमिश्नर शिल्पा अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम में ज्वाइंट कमिश्नर आरएस विद्यार्थी, सर्वजीत राम, डिप्टी कमिश्नर अजय वर्मा, डीके उपाध्याय, जोखनराम, संजीव मोहन, कमला प्रसाद, असिस्टेंट कमिश्नर आलोक श्रीवास्तव, जेपी शुक्ला, अश्वनी मिश्रा, वीरेंद्र मिश्रा, वाणिज्य कर अधिकारी राजेश कुमार, संदीप, अजय आदि थे। विजडम स्कूल के डायरेक्टर पीके गुप्ता, वीके मित्तल, ओपी राठी, चंद्रकिशोर जलाली, नेकराम शर्मा, सुनील दत्ता, कमल गुप्ता, अधिवक्ता आशुतोष वार्ष्णेय आदि ने भी उपस्थिति दर्ज कराई।

गोष्ठी में उत्कृष्ट विचार के लिए उद्यमी चंद्रशेखर शर्मा को सम्मानित किया गया।

खास बातचीत : अमेरिका की ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर का रिसर्च पर जोर

एएमयू को शोध के लिए एडवांस होने की जरूरत

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : अमेरिका की ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी की रिसर्च प्रोफेसर डॉ. सुल्ताना एन नाहर ने कहा कि शोध के क्षेत्र में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को और एडवांस होने की जरूरत है। यहां के छात्रों में क्वालिटी में कोई कमी नहीं है। बस जरूरत है तो उन्हें शोध के लिए आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने की। अमेरिका में पढ़ने गए चार छात्र बाकी की पढ़ाई करने एएमयू आ गए हैं, लेकिन उन्हें शोध के लिए अमेरिका की तरह सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

डा. सुल्तान एन नाहर।

कहा-एएमयू के छात्र होशियार, मगर उन्हें दिशा दिखाने की जरूरत

डॉ. सुल्ताना एन नाहर इन दिनों एएमयू में हैं। एक प्रोजेक्ट के तहत वे फिजिक्स डिपार्टमेंट में पढ़ा रही हैं। उन्हें 12 मार्च को 'नैनो टेक्नोलॉजी एंड स्टेम एजुकेशन एंड रिसर्च' पर होने वाली इंटरनेशनल सेमिनार में भी भाग लेना है। सेमिनार एएमयू व यूएसए के संयुक्त तत्वावधान में हो रही है।

'दैनिक जागरण' से बातचीत में प्रो. नाहर ने कहा कि एएमयू व ओहियो तालमेल के जरिए ही रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। एएमयू में नैनो टेक्नोलॉजी पर उच्च गुणवत्ता के शोध हुए हैं। इन्हें आगे बढ़ाने के लिए नैनो टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट बनाने की जरूरत है। यहां के छात्र होशियार हैं उन्हें विश्वस्तरीय शोध के बारे में बताने की जरूरत है। उन्होंने यहां से एक छात्र को अमेरिका ले जाने का ऑफर भी एएमयू को दिया है। डॉ. नाहर बताया कि एक करार तहत अमेरिका गए एएमयू के छात्र बाकी पढ़ाई के लिए लौट आए हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव में रिसर्च पूरी नहीं कर पा रहे। जरूरत पड़ी तो उन्हें फिर अमेरिका ले जाया जाएगा।

ये हुआ था करार

अमेरिका की ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी व एएमयू के बीच उच्च शिक्षा के क्षेत्र में परस्पर सहयोग के लिए शैक्षणिक करार हुआ था। दो साल के लिए हुए करार के तहत एएमयू के चार छात्र एक साल तक ओहियो में शोध करेंगे। बाकी पढ़ाई वे एएमयू में करेंगे।